निमंत्रण | by Surendra Jangid

शीश के दानी थारा कीर्तन करावां
कीर्तन करावां थाने आज बुलावां
शीश के दानी.....

सच्ची श्रद्धा से बाबा थाने बुलावां
हीरा मोत्या सु बाबा सिंहासन सजावां
आप पधारो बाबा सिंहासन बिराजो
शीश के दानी.....

केसरिया रंग का थाने बागां पहनावां
फूल चढ़ावां थाने इत्तर लगावां
केसर चन्दन का बाबा तिलक लगावां
शीश के दानी.....

थाल सजावां छप्पन भोग लगावां
देसी घी का बाबा दीपक जलावां
आरती उतारां बाबा ध्यान लगावां
शीश के दानी.....

ग्यारस का कीर्तन बाबा रात जगावां
सुख दु:ख की बातां बाबा थाने बतावां
भजना सु थाने बाबा आज रिझावाँ
शीश के दानी.....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%a8%e0%a4%bf%e0%a4%ae%e0%a4%82%e0%a4%a4%e0%a5%8d%e0%a4%b0%e0%a4%a3-by-surendra-jangid/